# University in News on 25s November 2024

## AMAR UJALA MY CITY PAGE 7




लविवि के स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर रोशनी से नहाया लखनऊ विवि का परिसर। - अर्जुन साहू

### 104वें वर्ष में लविवि के हिस्से की चार बड़ी उपलब्धियां

- लखनऊ विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति (एनईपी 2020) को लागू करने वाला देश का पहला संस्थान बना।
- 2020 से अब तक खाली पदों के सापेक्ष 149 नियमित और 113 संविदा पदों पर शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया को पूरा करना।
- नैक मूल्यांकन ए डबल प्लस ग्रेड, यूजीसी की कैटेगरी वन और एनआईआरएफ रैंकिंग में 32वां स्थान हासिल करने वाला राज्य का पहला संस्थान।
- उत्तर प्रदेश में सबसे पहले डिस्टेंस एजुकेशन, ऑनलाइन कोर्स शुरू करने वाला पहला संस्थान। वर्तमान में यहां यूजी और पीजी के 10 पाठ्यक्रम ऑनलाइन कोर्स के तौर पढ़ाए जा रहे हैं।

# सुनिए जनाब, मैं लखनऊ विश्वविद्यालय बोल रहा हूं...

## 1864 में पड़ी नींव, एक कमरे से शुरू हुआ सफर 571 कॉलेजों तक पहुंचा

*अवध की तीन सदियों के हर मौसम को, हर लम्हे को बेहद करीब से देखा है मैंने। इल्म की रोशनी से नहाया हूं मैं। यहां की रिवायतों को, संगीत, किताबों और बड़ी-बड़ी शख्सियतों को करीब से महसूस किया है मैंने। अंग्रेजों का शासन और अनुशासन देखा है, नवाबों के ठाठ-बाट देखे हैं। देखा है देश की आजादी के पहले सूरज से लेकर सजते-संवरते लखनऊ को। अब तकनीक के दम पर आधुनिक होते लखनऊ को भी करीब से देख रहा हूं मैं। मुझे सुनिए जनाब, मैं लखनऊ विश्वविद्यालय बोल रहा हूं...*

- 1864 में लखनऊ के हुसैनाबाद में एक कमरे में मेरा जन्म हुआ। तब मेरा नाम कैनिंग कॉलेज था। इससे पहले मुझे बादशाह बाग के नाम से जाना जाता था। यह अवध के नवाब नसीरुद्दीन हैदर का आवास हुआ करता था। यहां की लाल बारादरी जो अब अपने अंतिम दिन गिन रही है, सबसे पुरानी और खूबसूरत इमारतों में से एक थी।
- शिक्षा के इस छोटे से मंदिर ने लंबा सफर किया। 1920 में मुझे विश्वविद्यालय का दर्जा हासिल हुआ। आज मेरी पहुंच पांच जनपदों तक है। 571 महाविद्यालय मुझसे संबद्ध हैं। 2020 में मैं शतायु हुआ तो सरकार ने मुझे चार जिलों में कॉलेजों को सहयुक्तता के अधिकार से नवाज दिया। आज 104 वर्ष की उम्र में मेरे नाम अनगिनत उपलब्धियां दर्ज हैं। मुझे खुद पर गर्व है कि मेरे पास से इल्म की रोशनी लेकर निकले विद्यार्थी आज पूरी दुनिया में मेरा नाम रोशन कर रहे हैं। आज मेरा स्थापना दिवस है।

## अंग्रेज गवर्नर की याद में हुई शुरुआत, अवध के तालुकेदारों ने चंदे से बनवाया था विवि

**25 नवंबर 1920 को कैनिंग कॉलेज को मिला विश्वविद्यालय का दर्जा**

आयुष तिवारी

लखनऊ। लखनऊ विवि की नींव अंग्रेज गवर्नर लार्ड कैनिंग की स्मृति पड़ी। इसे अवध के तालुकेदारों ने चंदा जुटाकर आगे बढ़ाया। तत्कालीन संयुक्त प्रांत गवर्नर सर हरकोर्ट बटलर एवं राजा महमूदाबाद ने मूर्त रूप देने में विशेष भूमिका निभाई।

कैनिंग कॉलेज के नाम से शुरू शिक्षा का यह मंदिर 1887 तक कलकत्ता विवि से संबद्ध रहा। 1888 में इसे इलाहाबाद विवि से संबद्ध कर दिया गया। 1905 में अंग्रेज सरकार की अनुमति के बाद यह बादशाह बाग के नाम से मशहूर मूल परिसर में स्थानांतरित कर दिया गया।

25 नवंबर 1920 को कैनिंग कॉलेज को विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया और 1921 से पढ़ाई की शुरुआत हुई। विवि का दर्जा मिलने के बाद सबसे पहले मेडिकल कॉलेज (केजीएमयू) को इससे संबद्ध किया गया। वहीं 1870 में स्थापित आईटी गर्ल्स कॉलेज को इसका पहला असोसिएट कॉलेज बनाया गया।

### चार प्रधानमंत्री छात्रसंघ के आजीवन मानद सदस्यों में शामिल

लखनऊ विवि में वैसे तो 2006 के बाद कोई भी छात्र संघ चुनाव नहीं हुआ लेकिन यहां पर छात्रसंघ की अजीवन मानद सदस्यता में नामी राजनेता शामिल रहे। इसमें से चार तो प्रधानमंत्री ही हैं जिसमें पं. जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी, लालबहादुर शास्त्री और मोरारजी देसाई का नाम शामिल हैं। इसके साथ ही सीमांत गांधी के नाम से जाने जाने वाले खान अब्दुल गफ्फार खान का नाम भी इस फेहरिस्त में है। इन सभी के सहमति पत्र लविवि की धरोहर के तौर पर संरक्षित हैं। (संवाद)

## एक दौर ऐसा भी : जब अवध के विद्यार्थी तीन और बाकी चुकाते थे पांच रुपये फीस

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में आज पूरे देश के साथ ही विदेश के विद्यार्थी भी पढ़ाई करते हैं। इनसे तयशुदा फीस ली जाती है। संस्था के शुरुआती दिनों में अवध के विद्यार्थियों को फीस के मामले में बाकियों के मुकाबले काफी रियायत थी। अवध के विद्यार्थियों के लिए बीए की फीस तीन रुपये तय थी, बाकी विद्यार्थियों को पांच रुपये चुकाने होते थे।

- लखनऊ विवि की स्थापना कैनिंग कॉलेज के रूप में हुई थी। कॉलेज के संचालन का खर्च मालगुजारी से वसूली गई राशि से निकाला जाता था। इसलिए कैनिंग कॉलेज कमेटी ने अवध के छात्रों की बीए की मासिक फीस तीन रुपये और अन्य के लिए पांच रुपये मासिक निर्धारित की।
- हालांकि यह छूट परीक्षा और प्रवेश की फीस के मामले में नहीं था। परीक्षा के लिए सभी विद्यार्थियों से एक समान तीन रुपये मासिक फीस थी। प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए होने वाली कक्षाओं की फीस दो रुपये प्रतिमाह तय थी। संस्कृत कक्षाओं के लिए कोई फीस नहीं ली जाती थी। अरेबिक और पर्शियन कक्षाओं के लिए एक समान एक आना फीस लेने की सहमति बनी थी। (माई सिटी रिपोर्टर)



1871 में कैनिंग कॉलेज में पढ़ते छात्र। स्रोत : ब्रिटिश लाइब्रेरी

- **सिर्फ अवध के विद्यार्थियों को ही मिलती थी स्कॉलरशिप :** कैनिंग कॉलेज में स्कॉलरशिप का भी प्रावधान था। 150 रुपये की कुल स्कॉलरशिप में 100 रुपये अंग्रेजी और 50 रुपये ओरिएंटल विभागों के विद्यार्थियों के लिए तय थे। हालांकि यह भी तय किया गया था कि स्कॉलरशिप केवल अवध के विद्यार्थियों को ही दी जाएगी। प्रति विद्यार्थी स्कॉलरशिप की राशि पांच रुपये से लेकर आठ रुपये सालाना तक हुआ करती थी।
- **जब जमींदार की हैसियत तय करती थी उनके बच्चों की फीस :** कैनिंग कॉलेज में विशेष कक्षाओं के लिए अलग से फीस ली जाती थी। यह फीस तालुकेदारों की आय के अनुपात में थी। मतलब जो तालुकेदार जितना अमीर था, उसके बच्चे की फीस उतनी ही ज्यादा होती थी। जबकि कम आय वाले जमींदारों के बच्चों की फीस अपेक्षाकृत कम रहती थी।

### लविवि का मेरे जीवन में अहम योगदान



लखनऊ विवि का मेरे राजनीतिक जीवन में अहम योगदान रहा है। विश्वविद्यालय का अध्यक्ष बनने से शुरू हुआ यह सफर मेरे जीवन का स्वर्णिम दौर है। मेरा मन आज भी विश्वविद्यालय और पुराने दोस्तों में ही रमता है। - ब्रजेश पाठक, उप मुख्यमंत्री

### यहीं छात्र रहा, फिर शिक्षक भी बना



लविवि से मैंने पढ़ाई की और फिर इसके बाद यहीं शिक्षक बना। विवि ने राष्ट्रपति, राजनेता, ब्यूरोक्रेट्स, वैज्ञानिक, खिलाड़ी दिए हैं। यह देश के ऐसे चुनिंदा संस्थानों में शामिल है, जिन्होंने 100 वर्ष का सफर पूरा किया है। - डॉ. दिनेश शर्मा, राज्यसभा सांसद

### शोध व नवाचार में बढ़ा रहे कदम



लखनऊ विवि शोध और नवाचार की दिशा में नित नए आयाम स्थापित कर रहा है। आने वाले वर्षों में इसे देश के अग्रणी संस्थानों में शामिल कराना हमारा लक्ष्य है। - प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति

कैनिंग कॉलेज का परीखाना स्थित भवन।
स्रोत : डाक विभाग द्वारा जारी पोस्टकार्ड पर प्रकाशित चित्र



### आज होंगे ये कार्यक्रम

स्वस्ति वाचन, कोच (शंख), कुलगीत, अभिज्ञान शाकुंतलम नाटक, ताकिस्तान की छात्राओं की प्रस्तुति, कथक नृत्य, इंग्लिश सॉन्ग, इंस्ट्रुमेंटल, एकल नृत्य, चाणक्य नाटक।

## HINDUSTAN PAGE 7

# एलयू का स्थापना दिवस आज, छह पूर्व छात्र सम्मानित होंगे

एलयू अपने 104 वर्षों के सफर का जश्न सोमवार को मनाएगा। इस मौके पर छह पूर्व छात्रों को सम्मानित किया जाएगा। वर्ष 1920 में विश्वविद्यालय का दर्जा पाने वाले एलयू की शुरुआत 1864 में 377 छात्रों के साथ कैनिंग कॉलेज की स्थापना के साथ हुई जो आज 554 कॉलेजों और चार लाख विद्यार्थियों का परिवार बन चुका है।

### भारत के गवर्नर जनरल ने 1920 में हस्ताक्षर किए

- 10 नवंबर, 1919 को गवर्नमेंट हाउस में शिक्षाविदों की बैठक हुई।
- अप्रैल, 1920 में तत्कालीन निदेशक पब्लिक इंस्ट्रक्शन सीएफडी ला फॉसे ने मसौदा विधेयक पेश किया।
- 12 अगस्त, 1920 को विधान परिषद में प्रस्ताव रखा गया।
- आठ अक्तूबर, 1920 को कुछ संशोधनों के बाद विधेयक को विधान परिषद से पारित किया गया।
- एक नवंबर, 1920 को ले. गवर्नर और 25 नवंबर, 1920 को भारत के गवनर जनरल ने हस्ताक्षर किए। इसलिए इसी दिन को स्थापना की तिथि माना जाता है।



### हाल के वर्षों में विश्वविद्यालय की उपलब्धियां

- नैक ए डबल प्लस, यूजीसी श्रेणी-1 विवि
- एनआईआरएफ विवि श्रेणी रैंकिंग में 97वां स्थान
- ऑनलाइन माध्यम से यूजी-पीजी कोर्स शुरू
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू करने में अग्रणी
- लेटरल एंट्री और मल्टीपल एग्जिट
- पार्ट टाइम पीएचडी और पार्ट टाइम एमटेक

### गांधी-अटल तक ने बढ़ाया हौसला

लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रसंघ कार्यक्रमों में तमाम नामचीन हस्तियां शिरकत कर चुकी हैं। जिन्होंने व्याख्यान देकर छात्रों का मनोबल बढ़ाया है। इसमें वर्ष 1929 में महात्मा गांधी, सरोजनी नायडू, 1938 मुल्कराज आनंद, 1939 नेताजी सुभाष चंद्र बोस, 1957 पृथ्वीराज कपूर, अटल बिहारी वाजेपयी, एनडी तिवारी, राम मनोहर लोहिया, 1961 प्रथम अंतरिक्ष यात्री यूरी गगरिन, 1962 जनरल करियप्पा, इंदिरा गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी और आचार्य कृपलानी का नाम शामिल है।

### वार्षिक कैलेंडर जारी किया गया

समारोह की तैयारियों को लेकर एलयू कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने हरि कृष्ण अवस्थी सभागार में रविवार को समीक्षा बैठक की। इसके बाद कुलपति ने लखनऊ विश्वविद्यालय का 2025 का वार्षिक वाल कैलेंडर और टेबल कैलेंडर भी जारी किया। स्थापना दिवस समारोह का आगाज स्वरचित वाचन के साथ होगा। इसके बाद कुलगीत होगा।

### ये होंगे सम्मानित



प्रो. प्रमोद टंडन वैज्ञानिक; न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान; लीना जौहरी प्रमुख सचिव; मुकेश शर्मा वरिष्ठ पत्रकार; अजय सिंह: राष्ट्रपति के प्रेस सचिव; धनंजय सिंह प्रबंध निदेशक मर्क लाइफ साइंस

### आज होगा खास

- समारोह में अभिज्ञान शकुंतलम नाटक का मंचन किया जाएगा
- तजाकिस्तान की छात्राओं की प्रस्तुति भी होगी
- विश्वविद्यालय की छात्राएं कथक नृत्य की प्रस्तुति देंगी
- इसके बाद अंग्रेजी गीत, वादन, एकल नृत्य और चाणक्य नाटक का मंचन होगा

### बीबीडी बना विजेता

रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय की विधि संकाय के जूरिस हॉल में इंटर कॉलेजिएट नेगोशिएशन प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उप निर्देशक समाज कल्याण विभाग प्रवीण कुमार त्रिपाठी थे। प्रतियोगिता में बीबीडी के छात्रों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उपविजेता सिटी लॉ कॉलेज रहा।

## JAGRAN CITY PAGE I

# 104वां स्थापना दिवस आज, सम्मानित होंगे पूर्व छात्र

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की स्थापना के 104 वर्ष सोमवार को पूरे होंगे। वैसे तो इसका इतिहास करीब 156 साल पुराना है, लेकिन विश्वविद्यालय के रूप में इसकी स्थापना 25 नवंबर 1920 में हुई थी। इस ऐतिहासिक यात्रा के पूरे होने पर लखनऊ विश्वविद्यालय मालवीय सभागार में शाम चार बजे से भव्य समारोह का आयोजन करेगा। इसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय करेंगे। इस अवसर पर प्रतिष्ठित छह पूर्व छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा।

रविवार को कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने लखनऊ विश्वविद्यालय के हरि कृष्ण अवस्थी सभागार में स्थापना दिवस समारोह की समीक्षा बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने लवि का 2025 का वार्षिक वाल कैलेंडर और टेबल कैलेंडर भी जारी किया। स्थापना दिवस समारोह में शाम चार बजे से सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत होगी। सांस्कृतिक कार्यक्रम की मुख्य अतिथि लवि की पूर्व छात्रा एवं वर्तमान में बिरजू महाराज कथक संस्थान की अध्यक्ष कुमकुम धर होंगी। स्वस्ति वाचन और कुलगीत से कार्यक्रम का शुभारंभ होगा।



कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बैठक के बाद लवि का 2025 का वार्षिक वाल कैलेंडर और टेबल कैलेंडर जारी किया। इस मौके पर प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, डीएसडब्ल्यू प्रो. एके शर्मा, परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी, डीन सीडीसी प्रो. अवधेश कुमार व अन्य • लवि

### समारोह में सम्मानित होंगे पूर्व छात्र-छात्राएं

- पद्मश्री प्रो. डा. प्रमोद टंडन: पूर्व कुलपति, नार्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी शिलांग।
- न्यायमूर्ति राजेश चौहान: न्यायाधीश, उच्च न्यायालय इलाहाबाद।
- धनंजय सिंह: प्रबंध निदेशक, मर्क लाइफ साइंस, भारत।
- लीना जौहरी: प्रमुख सचिव, स्टांप एवं पंजीकरण तथा महिला कल्याण एवं बाल विकास विभाग।
- मुकेश शर्मा: एक न्यूज चैनल में वरिष्ठ संपादक।
- अजय सिंह : भारत के राष्ट्रपति के प्रेस सचिव।

## i-NEXT PAGE 4

# एलयू : 104वां स्थापना दिवस आज सम्मानित किए जाएंगे पूर्व छात्र

**25 नवंबर 1920 में विश्वविद्यालय के रूप में हुआ था स्थापित**

LUCKNOW (24 Nov) : शिक्षा, संस्कृति, विरासत व उपलब्धियों के साथ देश-विदेश में अपनी अलग पहचान बनाने वाले लखनऊ विश्वविद्यालय की स्थापना के 104 वर्ष सोमवार को पूरे होंगे. वैसे तो इसका इतिहास करीब 156 साल पुराना है, लेकिन विश्वविद्यालय के रूप में इसकी स्थापना 25 नवंबर 1920 में हुई थी. इस ऐतिहासिक यात्रा के पूरे होने पर लखनऊ विश्वविद्यालय मालवीय सभागार में शाम चार बजे से भव्य समारोह का आयोजन करेगा. इसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय करेंगे. इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में विश्वविद्यालय का मान बढ़ाने वाले प्रतिष्ठित छह पूर्व छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा.रविवार को कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने लखनऊ विश्वविद्यालय के हरि कृष्ण अवस्थी सभागार में स्थापना दिवस समारोह की समीक्षा बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए, उन्होंने एलयू



का 2025 का वार्षिक वाल कैलेंडर और टेबल कैलेंडर भी जारी किया.

### सजेगी सांस्कृतिक संध्या

स्थापना दिवस समारोह में शाम चार बजे से सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत होगी. सांस्कृतिकी की निदेशक प्रो. अंचल श्रीवास्तव ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एलयू की पूर्व छात्रा एवं वर्तमान में बिरजू महाराज कथक संस्थान की अध्यक्ष कुमकुम धर होंगी. स्वस्ति वाचन और कुलगीत से कार्यक्रम का शुभारंभ होगा. ताजिकिस्तान की छात्राएं वहां की संस्कृति पर आधारित नृत्य प्रस्तुत करेंगी. स्नातक के विद्यार्थी अभिज्ञान शाकुंतलम नाटक का मंच करेंगे. इसमें अनुवाद संस्कृत में होगा. उसके बाद छात्र-छात्राएं राष्ट्र प्रतिनिष्ठा-चाणक्य के संवाद पर नाट्य प्रस्तुति देंगे. स्नातक प्रथम सेमेस्टर की छात्रा प्रियम यादव कथक नृत्य पेश करेगी. 'मोरे घर परदेसिया' गाने पर स्नातक के छात्र सर्वज्ञ नृत्य करेगा. कार्यक्रम में अंग्रेजी में सोलो सिंगिंग भी होगी. शाम छह बजे से पूर्व छात्रों को सम्मानित करने के लिए कार्यक्रम शुरू होगा.

### सम्मानित होंगे पूर्व छात्र-छात्राएं

- पद्मश्री प्रो. डा. प्रमोद टंडन : पूर्व कुलपति, नार्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी शिलांग.
- न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान: न्यायाधीश, उच्च न्यायालय इलाहाबाद.
- धनंजय सिंह : प्रबंध निदेशक, मर्क लाइफ साइंस, भारत.
- लीना जौहरी (आइएएस): प्रमुख सचिव, स्टांप एवं पंजीकरण तथा महिला कल्याण एवं बाल विकास विभाग.
- मुकेश शर्मा : एक न्यूज चैनल में वरिष्ठ संपादक.
- अजय सिंह : भारत के राष्ट्रपति के प्रेस सचिव.

## PIONEER PAGE 4

# स्थापना दिवस को लेकर कुलपति ने की समीक्षा, वार्षिक कलेण्डर जारी



लखनऊ। 104वें स्थापना दिवस को लेकर विवि कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के हरि कृष्ण अवस्थी सभागार में स्थापना दिवस समारोह की समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने सभी आधिकारिक लोगों से वार्ता की और कल होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सम्मानित होने वाले 6 पूर्व छात्रों के कार्यक्रम के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके बाद कुलपति ने लखनऊ विश्वविद्यालय का 2025 का वार्षिक वाल कैलेंडर और टेबल कैलेंडर भी जारी किया।

उधर, रविवार को विश्वविद्यालय की विधि संकाय की ए.डी.आर. ड्राफ्टिंग एवं लिटरेरी सोसायटी, रेडिएंट कॉलेज ऑफ लॉ एवं जूरिस लॉ कॉलेज द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इंटर कॉलेजिएट नेगोशिएशन प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण विधि संकाय के जूरिस हाल में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उप निदेशक,समाज कल्याण विभाग प्रवीण कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के फाइनल राउंड को जज करने के लिए संजय भसीन,वरिष्ठ अधिवक्ता, इलाहाबाद हाईकोर्ट, लखनऊ बेंच, शैलेन्द्र सिंह राजावत, एडवोकेट, इलाहाबाद हाईकोर्ट , लखनऊ बेंच, प्रोफेसर (डॉ) मोहम्मद अहमद, अतिरिक्त कुलानुशासक, लखनऊ विवि मौजूद रहे। बीबीडी यूनिवर्सिटी के छात्रों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, रनर अप के रुप में सिटी लॉ कॉलेज के छात्र विजयी रहे। प्रतियोगिता में बेस्ट क्लाइंट अश्विनी प्रताप सिंह रहे , बेस्ट काउंसिल अनूप कुमार रहे। प्रथम वर्ष के छात्रों मैं बेस्ट टीम सहज और सानिध्य रहे। बेस्ट क्लाइंट श्रेया सिंह रही। बेस्ट काउंसिल सुदीप रहे। प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय की विधि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. बंशीधर सिंह ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नेगोशिएशन कौशल छात्रों के पेशेवर विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

## RAHSTRIAYA SAHARA PAGE 5

# स्थापना दिवस आज, लविवि तैयार, सम्मानित होंगे पूर्व विद्यार्थी

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार को आयोजित होने वाले 104वें स्थापना दिवस में छह पूर्व छात्रों को सम्मानित किया जाएगा। इनमें विज्ञान, प्रबंधन समेत कई क्षेत्रों में नाम कर चुके लोगों को सम्मान प्रदान किया जाएगा। सम्मानित होने वाले पूर्व छात्रों में नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज के मानद वैज्ञानिक प्रो. प्रमोद टंडन, मर्क लाइफ साइंस के प्रबंध निदेशक धनंजय सिंह, वीवीसी न्यूज के वरिष्ठ संपादक मुकेश शर्मा, न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान, आईएएस लीना जौहरी तथा राष्ट्रपति के प्रेस सचिव अजय सिंह का नाम शामिल है।



### इन पूर्व छात्रों को किया जाएगा सम्मानित



- प्रो. प्रमोद टंडन : इन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से वर्ष 1969 में वनस्पति विज्ञान में वीएससी और वर्ष 1971 में एमएससी की डिग्री प्राप्त की। इन्हें वर्ष 2009 में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रो. टंडन नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग के पूर्व कुलपति भी रहे हैं। प्रो. टंडन नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज भारत के मानद वैज्ञानिक है।
- धनंजय सिंह : इन्होंने वर्ष 1994 में लखनऊ विश्वविद्यालय से बायोकेमिस्ट्री में एमएससी और वर्ष 1996 में मार्केटिंग में एमवीए किया। मौजूदा समय में मर्क लाइफ साइंस, भारत के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत हैं।
- मुकेश शर्मा : इन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय के कला संकाय से वर्ष 1999 में मानव विज्ञान, प्राचीन भारतीय इतिहास और समाज शास्त्र में स्नातक किया है। वर्तमान में वीवीसी न्यूज के वरिष्ठ संपादक के रूप में कार्यरत हैं।
- न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान : इन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से वर्ष 1985 में वीकॉम और एलएलवी की डिग्री वर्ष 1988 में प्राप्त की। वर्ष 2019 से इलाहावाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हैं।
- लीना जौहरी : प्रदेश सरकार में स्टांप एवं पंजीकरण व महिला कल्याण एवं वाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव हैं। इन्होंने लविवि से इतिहास में वीए और समग्र इतिहास में एमए किया है।
- अजय सिंह : इन्होंने लविवि से वीकॉम की डिग्री प्राप्त की है। वर्तमान में भारत के राष्ट्रपति के प्रेस सचिव के रूप में कार्यरत हैं।

## AMRIT VICHAR PAGE 7

### स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर खेला मैच

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस से एक दिन पहले 24 नवंबर को लखनऊ विश्वविद्यालय के क्रिकेट मैदान पर एक रोमांचक अंतर्विभागीय क्रिकेट मैच खेला गया। यह मैच वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित किया गया। यह मैच विभाग के शोधार्थियों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और यूजी, पीजी छात्रों के बीच खेला गया। यूजी और पीजी छात्रों की टीम विजयी रही। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर गौरी सक्सैना ने विजेता टीम को बधाई दी।

## SWATANTRA BHARAT PAGE 2

**स्थापना दिवस पर विशेष....**

# लविवि : 104 वर्षों की अनवरत शिक्षा यात्रा पूरी

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। भारत ही नहीं संपूर्ण एशिया और विश्व तक अपने प्रतिभाशाली छात्रों और योग्य शिक्षकों के कारण बिल्कुल अलग पहचान रखने वाला लखनऊ विश्वविद्यालय अपने सुनहरे इतिहास के 104 साल पूरे कर रहा है। एक से बढ़कर एक विषय विशेषज्ञों के अतिरिक्त शिक्षा, विज्ञान, अर्थशास्त्र और कला के क्षेत्रों में मील के पत्थर गाड़ने वाला लखनऊ विश्वविद्यालय आज भी अपने हजारों छात्रों के साथ भारत की शैक्षिक यात्रा में सहभागी है यह गर्व की बात है। एक समय था जब यह लखनऊ विश्वविद्यालय न होकर कैनिंग कॉलेज कहलाता था। अंग्रेजों का दौर था और अंग्रेजियत पूरी दुनिया पर हावी थी। ऐसे वक्त में लूटे-पीटे अवध की सरजमीन पर गोमती नदी के किनारे पड़े विशाल समतल भूखंड पर कैनिंग कॉलेज की इमारत बननी शुरू हुई थी। सपना था कि इसे एक विश्व स्तरीय उच्च शिक्षा संस्थान के रूप में आकार दिया जाएगा। जहां विश्व की तमाम प्रचलित भाषाओं के साहित्य का अध्ययन करने के साथ ही तेजी से विकसित हो रही वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी भी छात्रों तक पहुंचाई जा सकेगी। अवध के भयानक संग्राम के बाद सहमा हुआ लखनऊ धीरे-धीरे अगल-बगल की रियासतों के राजाओं और नवाबों से आबाद हो रहा था। जिनके परिवारों के नौनिहालों को भी पढ़ने-लिखने के लिए एक विश्व स्तरीय शिक्षण संस्थान की ज़रूरत थी। लिहाजा कैनिंग कॉलेज अपनी बसावट के साथ ही चर्चाओं में



आने लगा था। तब यहां अधिकांशतः इग्लैंड की तमाम यूनिवर्सिटी से निकले स्कालर कक्षाएं लेने की जिम्मेदारी निभाते थे। बाद में इनकी जगह नवशिक्षित एंग्लो इंडियन प्रवक्ताओं और शिक्षकों ने ले ली थी। भारत को आजादी मिलने तक लखनऊ विश्वविद्यालय अपनी शैक्षिक फैकल्टी के स्तर पर इग्लैंड या यूरोप के किसी उच्च शिक्षण संस्थान जैसा ही नजर आता था। आजादी के बाद बहुत कुछ बदला और उसके साथ ही लखनऊ विश्वविद्यालय का रंग-ढंग भी अंग्रेजी चोला उतारकर खालिस हिन्दुस्तानी रंग में रंग गया। 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के समय शासन पदाधिकारी के रूप में जेल की सजा काट चुके प्रो.हरिकृष्ण अवस्थी इसी लखनऊ विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में प्रवक्ता बन गए। इसके अलावा और भी तमाम बदलाव देखने में आए जिनमें 7वें दशक की शुरुआत में व्यापार प्रबंध शिक्षण फैकल्टी का खुलना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। इस समय किंग जॉर्ज यूनिवर्सिटी स्वयं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में पूरी तरह स्वायत संस्थान बन चुका है, लेकिन अपनी स्थापना से लेकर कई दशक तक किंग जार्ज यूनिवर्सिटी लखनऊ विश्वविद्यालय की चिकित्सा शिक्षा शाखा के रूप में पनपता रहा। लखनऊ विश्वविद्यालय के बगल में मौजूद आर्ट्स कॉलेज आज भी लखनऊ विश्वविद्यालय के गौरव को जिंदा रखे हुए है। भारतीय राष्ट्रगान के रचयिता गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर की प्रेरणा से इस विश्व स्तरीय कला एवं शिल्प महाविद्यालय की नींव डालने वाले प्रख्यात शिल्पकार डा.अवतार सिंह पवार आज दुनिया में नहीं है, लेकिन उनका देखा सपना आज भी लखनऊ विश्वविद्यालय आने वाले हर पर्यटक के लिए दर्शनीय स्थल बना हुआ है। आजादी की लड़ाई से लेकर आधुनिक भारत के निर्माण तक की यह एक शताब्दी की यात्रा तमाम उतार-चढ़ाओ से भरी रही है, लेकिन लखनऊ विश्वविद्यालय आज भी प्रगति के पथ पर उसी प्रकार अग्रसर है।

### कुलपति ने किया वार्षिक कैलेंडर का विमोचन



लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने हरिकृष्ण अवस्थी सभागार में स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की। इस मौके पर कुलपति ने सभी आधिकारिक लोगों से वार्ता की और आज होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सम्मान समारोह के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके बाद कुलपति ने लविवि का वर्ष 2025 का वार्षिक वाल और टेबल कैलेंडर का विमोचन भी किया। बैठक में कुलपति ने बताया कि सोमवार को स्थापना दिवस समारोह में शाम 4 बजे से होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्वस्ति वाचन, कोच (शंख), कुलगीत, अभिज्ञान शाकुन्तलम नाटक, तजाकिस्तान की छात्राओं की प्रस्तुति, कथक नृत्य, इंग्लिश सॉन्ग, इंस्ट्रुमेंटल, एकल नृत्य और चाणक्य नाटक का मंचन किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम के समापन के बाद शाम 6 बजे से पूर्व छात्र सम्मान समारोह होगा जिसमें लविवि के 6 पूर्व छात्रों को सम्मानित किया जाएगा।

# छात्र व्यवसायिक कौशल संग सामाजिक समझ को भी विकसित करें : प्रवीण

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की विधि संकाय की एडीआर ड्राफ्टिंग एवं लिटरेरी सोसायटी, रेडिएंट कॉलेज ऑफ लॉ एवं जूरिस लॉ कॉलेज द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इंटर कॉलेजिएट नेगोशिएशन प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण विधि संकाय के जूरिस हाल में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और कुलगीत से किया गया। इस अवसर पर विधि क्षेत्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उप निर्देशक,समाज कल्याण विभाग,प्रवीण कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के फाइनल राउंड को जज करने के लिए संजय भसीन,वरिष्ठ अधिवक्ता, इलाहाबाद हाईकोर्ट, लखनऊ शाखा, शैलेन्द्र सिंह राजावत, एडवोकेट, इलाहाबाद हाईकोर्ट, लखनऊ बेंच, प्रो.मोहम्मद



अहमद, अतिरिक्त कुलानुशासक, लविवि मौजूद रहे। बीबीडी यूनिवर्सिटी के छात्रों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, रनरअप के रुप में सिटी लॉ कॉलेज के छात्र विजयी रहे। प्रतियोगिता में बेस्ट क्लाइंट अश्विनी प्रताप सिंह और बेस्ट काउंसिल अनूप कुमार रहे। प्रथम वर्ष के छात्रों में बेस्ट टीम सहज और सानिध्य रहे। बेस्ट क्लाइंट श्रेया सिंह एवं बेस्ट काउंसिल सुदीप रहे। इस दौरान प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते हुए लविवि विधि संकाय के अधिष्ठाता डॉ.बंशीधर सिंह ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, नेगोशिएशन कौशल छात्रों के पेशेवर विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मुख्य अतिथि प्रवीण कुमार त्रिपाठी ने अपने संबोधन में प्रतियोगिता को एक प्रेरणादायक प्रयास बताया। उन्होंने कहा, छात्रों को व्यवसायिक कौशल के साथ-साथ सामाजिक समझ को भी विकसित करना चाहिए, जो इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से संभव है। इस प्रतियोगिता में विशेष रूप से प्रथम वर्ष के छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए अलग-अलग श्रेणियों में पुरस्कार दिए गए। इनमें बेस्ट क्लाइंट, बेस्ट काउंसिल और बेस्ट टीम के लिए पुरस्कार शामिल थे। इस पहल का उद्देश्य प्रथम वर्ष के छात्रों में आत्मविश्वास और तर्क कौशल को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर एडीआर सोसाइटी के टीचर कोऑर्डिनेटर प्रो.हरिश्चंद्र राम एवं डॉ.कौशलेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे। प्रो.हरिश्चंद्र राम ने प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए सभी अतिथियों, प्रतिभागियों, सह-आयोजकों एवं एडीआर, सोसाइटी के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी स्वराज शुक्ला और प्रेसिडेंट आरजू नायाब एवं सभी सदस्यों का धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा, इस प्रकार के आयोजन छात्रों के कानूनी कौशल को निखारने और उन्हें व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने में सहायक हैं।

## LOKSATYA PAGE 2

# एलयू इंटर कॉलेजिएट नेगोशिएशन प्रतियोगिता में बीबीडी विजयी

लखनऊ, लोकसत्य। रविवार को लखनऊ विश्वविद्यालय की विधि संकाय की एडीआर ड्राफ्टिंग एवं लिटरेरी सोसायटी, रेडिएंट कॉलेज ऑफ लॉ एवं जूरिस लॉ कॉलेज की इंटर कॉलेजिएट नेगोशिएशन प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण विधि संकाय के जूरिस हाल में हुई।

मुख्य अतिथि समाज कल्याण विभाग के निदेशक प्रवीण कुमार त्रिपाठी रहे। प्रतियोगिता के फाइनल राउंड को जज करने के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता संजय भसीन, एडवोकेट शैलेन्द्र सिंह राजावत, प्रो मोहम्मद अहमद, अतिरिक्त कुलानुशासक, लखनऊ विश्वविधालय मौजूद रहे। बीबीडी यूनिवर्सिटी के छात्रों ने प्रथम स्थान पाया। रनर अप के रुप में सिटी लॉ कॉलेज के छात्र विजयी रहे। प्रतियोगिता में बेस्ट क्लाइंट अश्विनी प्रताप सिंह रहे, बेस्ट काउंसिल अनूप कुमार रहे। प्रथम



वर्ष के छात्रों मैं बेस्ट टीम सहज और सानिध्य रहे। बेस्ट क्लाइंट श्रेया सिंह रही। बेस्ट काउंसिल सुदीप रहे।

विधि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. बंशीधर सिंह ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नेगोशिएशन कौशल छात्रों के पेशेवर विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मुख्य अतिथि प्रवीण कुमार त्रिपाठी ने अपने संबोधन में प्रतियोगिता को एक प्रेरणादायक प्रयास बताया। उन्होंने कहा की छात्रों को व्यवसायिक कौशल के साथ साथ सामाजिक समझ को भी विकसित करना चाहिए, जो इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से संभव है। इस अवसर पर एडीआर सोसाइटी के टीचर कोऑर्डिनेटर प्रो. हरिश्चंद्र राम एवं डॉ.कौशलेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे।

### एलयू के स्थापना दिवस पर आज होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

लखनऊ विश्वविद्यालय के 104वें स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में विभिन्न कार्यक्रम होंगे। रविवार को कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने लखनऊ विश्वविद्यालय के हरि कृष्ण अवस्थी सभागार में स्थापना दिवस समारोह की समीक्षा बैठक की। इस बैठक में उन्होंने सभी आधिकारिक लोगों से वार्ता की और कल होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों औ सम्मानित होने वाले छह पूर्व छात्रों के कार्यक्रम के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके बाद कुलपति जी ने लखनऊ विश्वविद्यालय का 2025 का वार्षिक वाल कैलेंडर और टेबल कैलेंडर भी जारी किया। 25 नवंबर को शाम 4 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अभियान शाकुन्तलम नाटक, तजाकिस्तान की छात्राओं की प्रस्तुति, कथक नृत्य, इंस्ट्रुमेंटल,. एकल नृत्य, चाणक्य नाटक की प्रस्तुति होगी।